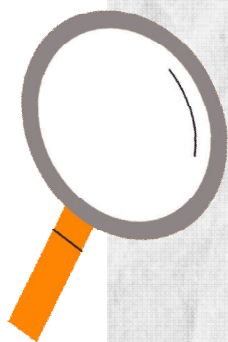




स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
बोकारो इस्पात संयंत्र
BOKARO STEEL PLANT



Press Clippings



02nd 03rd June 2024
Public Relations Department



03-06-2024

हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

|

There's little bit of SAIL in everybody's life

02rd June 2024

Dainik Jagran, Dhanbad

प्रबंधन ने ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच को जारी कर दी नियमावली

जासं, बोकारो : बोकारो स्टील में कार्यरत ठेका श्रमिकों के गेट पास को लेकर स्वास्थ्य जांच की नई नियमावली जारी कर दी गई है। कंपनी प्रबंधन ने बताया है कि मजदूरों के स्वास्थ्य जांच के लिए बेहतर व्यवस्था की जा रही है।

बोकारो स्टील के सभी ठेका श्रमिकों का गेट पास तब निर्गत होगा जब उनका मेडिकल जांच किया जाएगा। किसी भी ठेका मजदूर का गेट पास बनाने के पहले बीजीएच द्वारा उनका मेडिकल चेकअप होगा। मेडिकल चेकअप में उनका ब्लड टेस्ट, ब्लड प्रेशर, ई सी जी, हाइट, वेट, बी एम आई जैसे कुछ बेसिक पैरामीटर्स की जांच की जाएगी। किसी भी पैरामीटर के निर्धारित स्तर से बाहर होने पर उन्हें उचित इलाज करवाने की सलाह दी जाएगी और चार सप्ताह (28 दिन) के बाद वे पुनः अपनी जांच बीजीएच में करवा सकते हैं, और फिट पाए जाने पर, सेफ्टी ट्रेनिंग के पश्चात उन्हें गेट पास निर्गत हो सकेगा। हालांकि निकट या दूर दृष्टि दोष जैसी छोटी-मोटी

प्रत्येक दिन 50 ठेका मजदूरों की होगी जांच

बीजीएच में प्रत्येक कार्यदिवस पर 50 ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच की जाएगी। जिनका भी मेडिकल चेकअप का स्लॉट बुक करवाया गया होगा, उनके इंजीनियर इंचार्ज को और कॉन्ट्रक्टर को, उनके बीएसएल में रजिस्टर्ड मेल आई डी पर, कम से कम एक दिन पहले मेल चला जाएगा। ठेका श्रमिकों को निर्धारित तिथि पर बीजीएच में खाली पेट सुबह 7.30 बजे तक रिपोर्ट करना है। वैसे ठेका श्रमिक जो मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर फिट होंगे, उन्हें अगले दिन दो दिनों की सेफ्टी ट्रेनिंग के लिए जाना होगा।

समस्या जिसे चश्मे के इस्तेमाल से ठीक किया जा सकता है, वैसे वर्क्स उचित पावर का चश्मा लगवा कर पुनः एक सप्ताह के बाद बीजीएच में अपने आंखों की जांच करवा कर सेफ्टी ट्रेनिंग के पश्चात अपना गेट पास बनवा सकते हैं।

02nd June 2024

Dainik Jagran, Dhanbad

सेल कैश कलेक्शन के लक्ष्य से पिछड़ा, प्रबंधन की बढ़ी चिंता

जागरण संवाददाता, बोकारो: स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड सेल अपने मई माह के कैश कलेक्शन के लक्ष्य से पिछड़ गई है। इससे प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है। कंपनी प्रबंधन की ओर से सभी इकाई को मई माह में 10,300 करोड़ रुपये का लक्ष्य नकद संग्रह के मद में दिया गया था। इसके एवज में मात्र 8,983 करोड़ रुपये ही प्राप्त हो सके। नकद संग्रह में सबसे बेहतर भूमिका भिलाई व राउरकेला इस्पात संयंत्र ने निभाई है। बोकारो इस्पात संयंत्र कैश कलेक्शन में बीते दो माह से बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। इसका कारण कैपिटल रिपेयर के बाद हाट स्ट्रिप मिल में उत्पादन की गति धीमी होना है। बीएसएल के निदेशक प्रभारी से लेकर सेल अध्यक्ष का फोकस हॉट स्ट्रिप मिल पर है। बीएसएल ने अप्रैल माह में जहां 1,556 करोड़ रुपये कैश कलेक्शन के मद में हासिल किया था, वह मई माह में घटकर 1,289 करोड़ रुपये पर आ गया है। इसलिए सेल

- 10,300 करोड़ का था लक्ष्य, प्राप्त हुए 8,983 करोड़ रुपये
- सबसे अच्छा प्रदर्शन भिलाई व राउरकेला संयंत्र का रहा

किस इकाई का कितना हुआ कैश कलेक्शन

भिलाई इस्पात संयंत्र	2,938 करोड़
राउरकेला इस्पात संयंत्र	2,297 करोड़
बोकारो इस्पात संयंत्र	1,289 करोड़
बर्नपुर इस्पात संयंत्र	1,169 करोड़
दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1,021 करोड़
सेलम इस्पात संयंत्र	195 करोड़
एलॉय इस्पात संयंत्र	61 करोड़
भद्रावती इस्पात संयंत्र	13 करोड़

मुख्यालय पूर्व की भांति उत्पादन की गति को बरकरार रखने के लिए जून माह में अपने नगद संग्रह के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एड़ी-चोटी एक कर दी है।

02rd June 2024

Dainik Bhaskar, Dhanbad

नई व्यवस्था • प्रतिदिन 50 मजदूरों की होगी जांच, पहले कराना होगा स्लॉट बुकिंग, अनफिट होने पर 28 दिन बाद फिर जांच

बीएसएल के ठेका मजदूरों के गेटपास के लिए बीजीएच में मेडिकल जांच शुरू

सिटी रिपोर्टर | बोकारो

बीएसएल के बोकारो जनरल हॉस्पिटल की ओर से विभिन्न ठेकेदारों के अंदर काम कर रहे ठेका श्रमिकों के मेडिकल चेकअप की व्यवस्था की गई है। किसी भी ठेका मजदूर का गेट पास बनाने के पहले बीजीएच में उनका मेडिकल चेकअप होगा।

मेडिकल चेकअप में उनका ब्लड टेस्ट, ब्लड प्रेशर, ईसीजी, हाइट,

वेट, बीएमआई जैसे कई बेसिक पैरामीटर की जांच की जाएगी। किसी भी पैरामीटर के निर्धारित स्तर से बाहर होने पर उन्हें उचित इलाज करवाने की सलाह दी जाएगी और चार सप्ताह (28 दिन) के बाद वे पुनः अपनी जांच बीजीएच में करवा सकते हैं और फिट पाए जाने पर, सेफ्टी ट्रेनिंग के बाद उन्हें गेट पास निर्गत हो सकेगा। बीएसएल प्रबंधन के अनुसार निकट या दूर दृष्टि दोष जैसी छोटी-मोटी समस्या जिसे

चश्मे के इस्तेमाल से ठीक किया जा सकता है, वैसे वर्कर्स उचित पावर का चश्मा लगवा कर एक सप्ताह के बाद बीजीएच में अपने आंखों की जांच करवा कर सेफ्टी ट्रेनिंग के बाद अपना गेट पास बनवा सकते हैं। बीजीएच में प्रत्येक कार्यदिवस पर 50 ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच की जाएगी। जिनका भी मेडिकल चेकअप का स्लॉट बुक करवाया गया होगा, उनके इंजीनियर इंचार्ज को और कॉन्ट्रक्टर को, उनके

बीएसएल में रजिस्टर्ड मेल आईडी पर, कम से कम एक दिन पहले मेल चला जाएगा। ठेका श्रमिकों को निर्धारित तिथि पर बीजीएच में खाली पेट सुबह 7.30 बजे तक रिपोर्ट करना है। वैसे ठेका श्रमिक जो मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर फिट होंगे, उन्हें अगले दिन दो दिनों की सेफ्टी ट्रेनिंग के लिए जाना होगा। बीजीएच की जांच रिपोर्ट उसी दिन शाम के 7 बजे तक इंजीनियर इंचार्ज और कॉन्ट्रक्टर को मेल द्वारा प्रेषित

कर दी जाएगी।

प्रबंधन के अनुसार बीएसएल अपने सभी कार्मिकों तथा ठेका श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध है और इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए ठेका कर्मियों के स्वास्थ्य जांच को शुरुआत की गई है। इस क्रम में यदि किसी कामगार की जांच रिपोर्ट में किसी समस्या की पहचान होती है, तो इसके उचित इलाज की सलाह दी जाती है, जो कामगार के लिए लाभकारी है।

02rd June 2024

Dainik Bhaskar, Dhanbad

बीएसएल सिंटर प्लांट में सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित



कार्यशाला में मौजूद बीएसएल कर्मी।

सिटी रिपोर्टर | बोकारो

बीएसएल के सिंटर प्लांट विभाग में शनिवार को सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सिंटर प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक बिजय कुमार बेहेरा ने की। कार्यशाला का उद्देश्य सिंटर मशीन 2 की सुरक्षित व सफलतापूर्वक सम्पन्न कैपिटल रिपेयर पर परिचर्चा था। कार्यशाला की शुरुआत में बेहेरा ने सिंटर मशीन 2 के कैपिटल रिपेयर को सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सफलतापूर्वक और पूर्व

निर्धारित समय के अंदर पूर्ण करने के लिए कैपिटल रिपेयर में शामिल सभी सिंटर मटेनेंस एजेंसियों के प्रति आभार प्रकट किया। बेहेरा ने कैपिटल रिपेयर के दौरान संपादित महत्वपूर्ण कार्यों पर चर्चा भी की। सिंटर प्लांट के विभागीय सुरक्षा अधिकारी इंदुनील मुखर्जी ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कैपिटल रिपेयर में सुरक्षापूर्वक सम्पन्न अहम कार्यों को प्रदर्शित किया। साथ ही संभावित असुरक्षित स्थितियों को भी चिह्नित किया। कार्यक्रम के अंत में सिंटर प्लांट (विद्युत) के महा प्रबंधक सीके ठाकुर ने कैपिटल

रिपेयर में शामिल सभी विभाग, वेंडर्स और विशेष कर प्लांट के सुरक्षा अभियंत्रण विभाग का धन्यवाद किया।

उल्लेखनीय है कि सिंटर प्लांट में सिंटर मशीन 2 का कैपिटल रिपेयर काम 6 मई से 18 मई तक चला। इस कार्यशाला में सिंटर प्लांट विभाग के जीएम ए हाजरा, आदर्श गुप्ता, संजीव कुमार, संतोष कुमार सिंह, सुरक्षा विभाग के मनोज कुमार, कैपिटल रिपेयर (एम), सामान्य अनुसंधान (यांत्रिक), भरी अनुसंधान (यांत्रिक) आर्इडी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

02nd June 2024

Hindustan, Dhanbad

कैश कलेक्शन में तीसरे नंबर पर रहा बीएसएल

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट सहित पूरे स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) में अप्रैल में रिकॉर्ड कैश कलेक्शन किया गया है। इस माह में 8983 करोड़ कैश कलेक्शन हुआ है। जबकि टारगेट 9500 करोड़ दिया गया था। मिली जानकारी के अनुसार भिलाई स्टील प्लांट ने इस माह में सार्वधिक 2938 करोड़ कैश अर्जित किया है। जबकि दूसरे नंबर पर राउरकेला स्टील प्लांट ने 2297 करोड़ कैश अर्जित किया है। जबकि तीसरे नंबर पर बोकारो स्टील प्लांट ने 1289 करोड़ कैश अर्जित किया है।

02nd June 2024

Hindustan, Dhanbad

एकजुट होकर आत्मनिर्भर भारत बनाने का लिया गया संकल्प

रांची, संवाददाता। इस्पात मंत्रालय के तत्वावधान में मेकॉन लिमिटेड और सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस्पात पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'आईकॉन्स-24' का शनिवार को समापन हुआ।

विषय 'पूँजीगत वस्तुओं पर ध्यान' था। दो दिन तक चले इस सम्मेलन में एकजुट होकर आत्मनिर्भर

भारत बनाने का संकल्प लिया गया। कहा गया कि प्रतिस्पर्धी प्रौद्योगिकियों और पूँजीगत वस्तुओं के विनिर्माण के लिए बड़े पैमाने पर और तेजी से स्वदेशीकरण पर ध्यान देना होगा। इससे ही विदेशी प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं और निर्माताओं पर निर्भरता कम होगी और विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम करने में भी मदद मिलेगी।

02nd June 2024

Prabhat Khabar

सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

□ बीएसएल : सिंटर मशीन 2 की सुरक्षित और सफलतापूर्वक संपन्न कैपिटल रिपेयर पर परिचर्चा वरीय संवाददाता, बोकारो

बीएसएल के सिंटर प्लांट विभाग में सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सिंटर प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक बिजय कुमार बेहरा ने की। कार्यशाला का उद्देश्य सिंटर मशीन 2 की सुरक्षित व सफलतापूर्वक संपन्न कैपिटल रिपेयर पर परिचर्चा था। श्री बेहरा ने कैपिटल रिपेयर के दौरान संपादित महत्वपूर्ण कार्यों पर चर्चा की। सिंटर मशीन 2 के कैपिटल रिपेयर को सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सफलतापूर्ण और पूर्व निर्धारित समय के अंदर पूर्ण करने के लिए कैपिटल रिपेयर में शामिल सभी सेंट्रल मेटेनैस एजेंसियों के प्रति आभार



कार्यशाला में शामिल अधिकारी व कर्मी.

प्रकट किया। सिंटर प्लांट के विभागीय सुरक्षा अधिकारी इंद्रनील मुखर्जी ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कैपिटल रिपेयर में सुरक्षापूर्वक सम्पन्न अहम कार्यों को प्रदर्शित किया, साथ ही संभावित असुरक्षित स्थितियों को भी चिन्हित किया। कार्यक्रम के अंत में सिंटर प्लांट (विद्युत) के महा प्रबंधक सीके ठाकुर ने कैपिटल रिपेयर में सामिल सभी विभाग, वेंडर्स और विशेष कर प्लांट के सुरक्षा अभियंत्रण विभाग

का धन्यवाद किया। उल्लेखनीय है कि सिंटर प्लांट में सिंटर मशीन 2 का कैपिटल रिपेयर कार्य छह मई से 18 मई तक चला। इस कार्यशाला में सिंटर प्लांट विभाग के जीएम ए हाजरा, आदर्श गुप्ता, संजीव कुमार, संतोष कुमार सिंह, सुरक्षा विभाग के मनोज कुमार, कैपिटल रिपेयर (एम), सामान्य अनुरक्षण (यांत्रिक), भरी अनुरक्षण (यांत्रिक) आरईडी विभाग के अधिकारीगण व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

02nd June 2024

Prabhat Khabar

छह दिनों में सेक्टर 12 में 100 से अधिक क्वार्टरों की मैपिंग

- 27 मई से चल रही है बोकारो स्टील प्लांट के आवासों की मैपिंग
- सेक्टर 12 से शुरू हुआ है बीएसएल के आवासों की मैपिंग का काम

वरीय संवाददाता, बोकारो

सेक्टर 12 में छह दिनों में 100 से अधिक क्वार्टरों की मैपिंग कर ली गयी है। बोकारो स्टील प्लांट के आवासों की मैपिंग 27 मई से चल रही है। मैपिंग मेसर्स एचएससीएल की ओर से की जा रही है। इसके लिए नियुक्त एजेंसी के प्रतिनिधि बीएसएल के सभी आवासों पर मैपिंग करने जायेंगे। मैपिंग करने वाले प्रतिनिधि अपनी पहचान-पत्र, जो जांच करने वाली एजेंसी व नगर प्रशासन के अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित है, के साथ आवासों में जा रहे हैं और जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। आवास मैपिंग शुरू करने से पहले इसकी सूचना सार्वजनिक तौर पर बीएसएल के आवासधारियों को दे दी गयी है। प्रबंधन ने अपील की है कि इस काम में बीएसएल प्रबंधन का सहयोग करें।

37 हजार आवासों की होगी मैपिंग : क्वार्टरों की मैपिंग के संदर्भ में किसी भी जानकारी के लिए दूरभाष संख्या 06542-280496, 06542-280418 और 06542-240578 पर संपर्क किया जा सकता है। बोकारो स्टील के लगभग 37 हजार आवासों की मैपिंग होगी। इससे एक-एक आवास की निगरानी हो सकेगी। यही

बीएसएल

नहीं अवैध रूप से रह रहे लोगों से आवास मुक्त कराया जा सकेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर कार्य-योजना तैयार की गयी है।

कब्जा वाले आवासों को प्रशासन की मदद से खाली कराया जायेगा : मैपिंग के साथ यह भी स्पष्ट रहेगा कि किस सेक्टर में कितने आवास पर कब्जा है। कब्जा वाले आवासों को प्रशासन की मदद से खाली कराने के साथ ही संबंधित व्यक्ति पर नीलाम पत्रवाद के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। उन पर राष्ट्रीय संपत्ति को क्षति पहुंचाने का मुकदमा भी दर्ज होगा। बीएसएल ने कर्मियों को आवास दिया है। सेवानिवृत्त कर्मियों को 99 साल, 33 साल लीज पर दिया है।

कहां-कहां पर कौन-कौन से क्वार्टर पर कब्जा है या कौन रह रहा है : अधिकांश सेवानिवृत्त कर्मियों को 11 माह के लाइसेंस पर क्वार्टर दिया गया है। इसके अतिरिक्त सहयोगी कंपनियों एचएससीएल, मेकान, बीपीसीएल के कर्मियों क्वार्टर को दिया गया है। यही नहीं जिला प्रशासन, स्वयं सेवी संगठन, शैक्षणिक संस्थान व कारपोरेट कंपनियों के कर्मियों को भी आवास दिया गया है। मैपिंग से यह तय हो जायेगा कि कहां-कहां पर कौन-कौन से क्वार्टर पर कब्जा है या कौन रह रहा है।

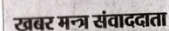
03rd June 2024

Khabar Mantra

बोकारो जेनरल हॉस्पिटल में ठेका श्रमिकों के मेडिकल जांच की हुई व्यवस्था

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के बोकारो जेनरल हॉस्पिटल द्वारा विभिन्न ठेकेदारों के अंदर काम कर रहे ठेका श्रमिकों के मेडिकल चेकअप की व्यवस्था की गई है। किसी भी ठेका मजदूर का गेट पास बनाने के पहले बीजीएच द्वारा उनका मेडिकल चेकअप होगा। मेडिकल चेकअप में उनका ब्लड टेस्ट ब्लड प्रेशर ई सी जी हाइट वेट बी एम आई जैसे कुछ बेसिक पैरामीटर्स की जांच की जाएगी। किसी भी

Khabar Mantra



अधिकारी इंद्रजीत मुखर्जी ने एक प्रस्तुतिकरण के माध्यम से कैपिटल रिपेयर में सुरक्षापूर्वक सम्मान अहम कार्यों को प्रशंसित किया साथ ही संभावित असुरक्षित स्थितियों को भी चिन्हित किया। कार्यक्रम के अंत में सिंटर प्लांट (विद्युत) के जीएम सीके ठाकुर ने कैपिटल रिपेयर में सामिल सभी विभाग वेंडर्स और विशेष कर प्लांट के सुरक्षा अभियंत्रण विभाग का धन्यवाद किया। उल्लेखनीय है कि सिंटर प्लांट में सिंटर मशीन 2 का कैपिटल रिपेयर कार्य 6 ई. से 18 मई तक चला। इस कार्यशाला में सिंटर प्लांट विभाग के जीएम ए. हाजरा आदर्श गुप्ता संजीव कुमार संतोष कुमार सिंह सुरक्षा विभाग के मनोज कुमार कैपिटल रिपेयर सामान्य अनुरक्षण भारी अनुरक्षण आरईडी विभाग के अधिकारीगण एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

02nd June 2024

Khabar Mantra

बीएसएल की महिला अधिकारियों के लिये लर्निंग कार्यक्रम आयोजित

बोकारो। बीएसएल की महिला अधिकारियों के नेतृत्व विकास के लिए आन्या से अरुशी लर्निंग कार्यक्रम का फॉलोअप सत्र आयोजित किया गया। एल एंड डी विभाग द्वारा 26 अगस्त 2023 को आयोजित प्रारंभिक शिक्षण कार्यक्रम आन्या से अरुशी में भाग लेने के बाद प्रतिभागियों ने पिछले 8 महीनों के दौरान अपनी चुनौतियों और सीखों को साझा किया। ज्ञातव्य है कि आन्या कार्यक्रम का आयोजन एमटीआई द्वारा मई 2023 से जुलाई 2023 तक तीन महीने की अवधि में महिला अधिकारियों के लिए एक क्लोज-लूप नेतृत्व विकास यात्रा के रूप में किया गया था। बीएसएल की दो आन्याओं डीसीएमओ तृप्ति चंद्रा और एजीएम-एसपीसी श्रीमती सिंधु कुल्लू द्वारा प्रभावी संचार लक्ष्य निर्धारण कार्यस्थल पर कर्मचारियों और अधीनस्थों के विकास रोल मॉडल का महत्व और कार्यस्थल पर कोचिंग और सलाह के बीच अंतर के विषय पर एक प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया गया।

03rd June 2024

Aaj, Dhanbad

बोकारो जनरल हॉस्पिटल में ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच

बोकारो। सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का गहरा संबंध है तथा स्वस्थ कामगार ही सुरक्षित कार्यक्षेत्र निर्मित करने में सहायक होते हैं इस दिशा में बोकारो स्टील प्लांट के बोकारो जनरल अस्पताल द्वारा विभिन्न ठेकेदारों के अंदर कम करें ठेका श्रमिकों के मेडिकल चेकअप की व्यवस्था की गई है किसी भी ठेका मजदूर का गेट पास बनाने के पहले अस्पताल द्वारा उनका मेडिकल चेकअप होगा जिसमें उनका ब्लड टेस्ट ब्लड प्रेशर हाइट वेट जैसे कुछ बेसिक पैरामीटर की जांच की जाएगी किसी भी पैरामीटर के निर्धारित स्तर से बाहर होने पर उन्हें उचित इलाज करवाने की सलाह दी जाएगी और 4 सप्ताह के बाद वह पुनः अपनी जांच करवा सकते हैं फिट पाए जाने पर सेफ्टी ट्रेनिंग के पश्चात उन्हें गेट पास निर्गत किया जाएगा निकट या दूर दृष्टि दोष जैसी छोटी-मोटी समस्या जिसे चश्मे के इस्तेमाल से ठीक किया जा सकता है वैसे वर्कर्स उचित पावर का चश्मा लगवा कर पुणे 1 सप्ताह के बाद अस्पताल में अपनी आंखों की जांच करवा कर सेफ्टी ट्रेनिंग के पश्चात अपना गेट पास सब बनवा सकते हैं जानकारी के मुताबिक अस्पताल में प्रत्येक कार्य दिवस पर 50 ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच की जाएगी जिनका भी मेडिकल चेकअप का स्लॉट बुक करवाया गया होगा उनके इंजीनियर इंचार्ज को और ठेकेदार को उनके बीएसएल में रजिस्टर्ड मेल आईडी पर काम से कम एक दिन पहले मेल चला जाएगा हां बताया गया है कि बीएसएनएल अपने सभी कार्मिकों तथा ठेका श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध है और इस सोच को आगे बढ़ते हुए ठेका कर्मियों का स्वास्थ्य जांच की शुरुआत की गई है।

02nd June 2024

Aaj, Dhanbad

बीएसएल से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी गई विदाई

बोकारो। बीएसएल से सेवा निवृत्त होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन विकास विभाग के में ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक परियोजना प्रत्यूष हरिश्चंद्र शर्मा उपस्थित है समझ के आरंभ में सहायक महाप्रबंधक डॉक्टर नंदा



प्रियदर्शनी है उसे 92 हो रहा है कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से संबंधित जानकारी देता था प्रत्येक सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों का बायोडाटा प्रस्तुत किया मौके पर मुख्य महाप्रबंधक परियोजना हरिश्चंद्र शर्मा ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुख में जीवन की कामना की तथा सभी कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भेंट किया मालूम हो कि मई महीने में कुल 12 अधिकारी तथा 48 कर्मचारी सेवानिवृत्ति हुए हैं कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नंदा प्रियदर्शनी सहायक महाप्रबंधक ने किया।

02nd June 2024

Aaj, Dhanbad

महिला अधिकारियों के नेतृत्व विकास के लिए आन्या से अरुषि लर्निंग कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो। बीएसएल की महिला अधिकारियों के नेतृत्व विकास के लिए आन्या से अरुषि लर्निंग कार्यक्रम का फॉलो अप 17 आयोजित किया गया एल एंड डी विभाग द्वारा 26 अगस्त 2023 को आयोजित प्रारंभिक शिक्षक कार्यक्रम आन्या से अरुषि में भाग लेने के बाद प्रतिभागियों ने पिछले 8 महीना के दौरान अपनी चुनौती और सिखों को साझा किया मालूम हो कि आन्या कार्यक्रम का आयोजन एमटीआई द्वारा जुलाई 2023 तक 3 महीने की अवधि में महिला अधिकारियों के लिए एक क्लोज लूप नेतृत्व विकास यात्रा के रूप में किया गया था बीएसएल की दो अन्याओं डॉक्टर तृप्ति चंद्र उपमुख्यमंत्री चिकित्सा पदाधिकारी और सिंधु कुल्लू सहायक महाप्रबंधक के द्वारा प्रभावी संचार लक्ष्य निर्धारण कार्यस्थल पर कर्मचारियों और अधीनस्थों के विकास रोल मॉडल का महत्व और कार्य स्थल पर कोचिंग और सलाह के बीच अंतर के विषय पर प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया गया सत्र का समापन मुख्य महाप्र. बंधक परियोजना एनिमा कुशवाहा और महाप्रबंधक सुश्री नेता बन के मार्गदर्शन में हुआ जिन्होंने युवा महिला अधिकारियों को कार्यस्थल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और पैसे पर और व्यक्तिगत विकास के लिए एक सहकर्मी नेटवर्क स्थापित करने के महत्व पर प्रेरित किया।

02nd June 2024

Azad Sipahi

बोकारो जेनरल हॉस्पिटल में ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। सुरक्षा और स्वास्थ्य का गहरा संबंध है तथा स्वस्थ कामगार ही सुरक्षित कार्यक्षेत्र निर्मित करने में सहायक होते हैं। इसी दिशा में बोकारो स्टील प्लांट के बोकारो जेनरल हॉस्पिटल द्वारा विभिन्न ठेकेदारों के अंदर काम कर रहे ठेका श्रमिकों के मेडिकल चेक-अप की व्यवस्था की गयी है। किसी भी ठेका मजदूर का गेट पास बनाने के पहले बीजीएच द्वारा उनका मेडिकल चेकअप होगा। मेडिकल चेकअप में उनका ब्लड टेस्ट, ब्लड प्रेशर, ई सी जी, हाइट, वेट, बी एम आई जैसे कुछ बेसिक पैरामीटर्स की जांच की जाएगी। किसी भी पैरामीटर के निर्धारित स्तर से बाहर होने पर उन्हें उचित इलाज करवाने की सलाह दी जाएगी और चार सप्ताह (28 दिन) के बाद वे पुनः अपनी जांच बीजीएच में करवा सकते हैं, और फिट पाए जाने पर, सेफ्टी

ट्रेनिंग के पश्चात उन्हें गेट पास निर्गत हो सकेगा। निकट या दूर दृष्टि दोष जैसी छोटी-मोटी समस्या जिसे चश्मे के इस्तेमाल से ठीक किया जा सकता है, वैसे वर्क्स उचित पावर का चश्मा लगवा कर पुनः एक सप्ताह के बाद बीजीएच में अपने आंखों की जांच करवा कर सेफ्टी ट्रेनिंग के पश्चात अपना गेट पास बनवा सकते हैं। बीजीएच में प्रत्येक कार्यदिवस पर 50 ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच की जायेगी। जिनका भी मेडिकल चेकअप का स्लॉट बुक करवाया गया होगा, उनके इंजीनियर इंचार्ज को और कॉन्ट्रैक्टर को, उनके बीएसएल में रजिस्टर्ड मेल आई डी पर, कम से कम एक दिन पहले मेल चला जायेगा। ठेका श्रमिकों को निर्धारित तिथि पर बीजीएच में खाली पेट सुबह 7.30 बजे तक रिपोर्ट करना है। वैसे ठेका श्रमिक जो मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर

फिट होंगे, उन्हें अगले दिन दो दिनों की सेफ्टी ट्रेनिंग के लिए जाना होगा। बीजीएच की जांच रिपोर्ट उसी दिन शाम के 7 बजे तक इंजीनियर इंचार्ज और कॉन्ट्रैक्टर को मेल द्वारा प्रेषित कर दी जायेगी। बीएसएल अपने सभी कार्मिकों तथा ठेका श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध है और इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए ठेका कर्मियों के स्वास्थ्य जांच की शुरुआत की गयी है। इस क्रम में यदि किसी कामगार की जांच रेपोर्ट में किसी समस्या की पहचान होती है तो इसके उचित इलाज की सलाह दी जाती है जो अंततः कामगार के लिए लाभकारी है। यहाँ यह भी बताना जरूरी है कि ठेका श्रमिकों को गेट पास निर्गत करने की पूरी प्रक्रिया में, इसके अलावा कि उनकी मेडिकल जांच अब बाहर के चिकित्सक के द्वारा ना होकर बीजीएच में होगी, कोई बदलाव नहीं किया गया है।

02nd June 2024

Ujjwal Duniya

बोकारो जेनरल हॉस्पिटल में ठेका श्रमिकों की मेडिकल जांच हुई

उज्जवल दुनिया

बोकारो : सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का गहरा संबंध है तथा स्वस्थ कामगार ही सुरक्षित कार्यक्षेत्र निर्मित करने में सहायक होते हैं। इसी दिशा में बोकारो स्टील प्लांट के बोकारो जेनरल हॉस्पिटल द्वारा विभिन्न ठेकेदारों के अंदर काम कर रहे ठेका श्रमिकों के मेडिकल चेक-अप की व्यवस्था की गई है। किसी भी ठेका मजदूर का गेट पास बनाने के पहले बीजीएच द्वारा उनका मेडिकल चेकअप होगा। मेडिकल चेकअप में उनका ब्लड टेस्ट, ब्लड प्रेशर, ई सी जी, हाइट, वेट, बी एम आई जैसे कुछ बेसिक पैरामीटरों की

जांच की जाएगी। किसी भी पैरामीटर के निर्धारित स्तर से बाहर होने पर उन्हें उचित इलाज करवाने की सलाह दी जाएगी और चार सप्ताह (28 दिन) के बाद वे पुनः अपनी जांच बीजीएच में करवा सकते हैं, और फिट पाए जाने पर, सेफ्टी ट्रेनिंग के पश्चात उन्हें गेट पास निर्गत हो सकेगा। निकट या दूर दृष्टि दोष जैसी छोटी-मोटी समस्या जिसे चश्मे के इस्तेमाल से ठीक किया जा सकता है, वैसे वर्क्स उचित पावर का चश्मा लगवा कर पुनः एक सप्ताह के बाद बीजीएच में अपने आंखों की जांच करवा कर सेफ्टी ट्रेनिंग के पश्चात अपना गेट पास बनवा सकते हैं। बीजीएच में प्रत्येक कार्यदिवस पर 50 ठेका श्रमिकों

की मेडिकल जांच की जाएगी। जिनका भी मेडिकल चेकअप का स्लॉट बुक करवाया गया होगा, उनके इंजीनियर इंचार्ज को और कॉन्ट्रक्टर को, उनके बीएसएल में रजिस्टर्ड मेल आई डी पर, कम से कम एक दिन पहले मेल चला जाएगा। ठेका श्रमिकों को निर्धारित तिथि पर बीजीएच में खाली पेट सुबह 7.30 बजे तक रिपोर्ट करना है।

वैसे ठेका श्रमिक जो मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर फिट होंगे, उन्हें अगले दिन दो दिनों की सेफ्टी ट्रेनिंग के लिए जाना होगा।

बीजीएच की जांच रिपोर्ट उसी दिन शाम के 7 बजे तक इंजीनियर इंचार्ज और कॉन्ट्रक्टर को मेल द्वारा प्रेषित कर दी

जाएगी। बीएसएल अपने सभी कर्मिकों तथा ठेका श्रमिकों के बेहतर स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्ध है और इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए ठेका कर्मियों के स्वास्थ्य जांच की शुरुआत की गई है। इस क्रम में यदि किसी कामगार की जांच रिपोर्ट में किसी समस्या की पहचान होती है तो इसके उचित इलाज की सलाह दी जाती है जो अंततः कामगार के लिए लाभकारी है। यहाँ यह भी बताना जरूरी है कि ठेका श्रमिकों को गेट पास निर्गत करने की पूरी प्रक्रिया में, इसके अलावा कि उनकी मेडिकल जांच अब बाहर के चिकित्सक के द्वारा ना होकर बीजीएच में होगी, कोई बदलाव नहीं किया गया है।

03rd June 2024

Mint

Tata Steel: Dull near-term outlook

Ashish Agarwal
feedback@livemint.com

Investors in Tata Steel's shares do not seem to be buying into its medium-term profitability outlook. For the March quarter (Q4FY24), consolidated Ebitda at ₹6,600 crore was better than expected, albeit lower year-on-year (y-o-y) by 8.6%, mainly due to the partial shutdown of its facilities in the Netherlands. Notably, losses from European operations declined sequentially. Still, the shares have been down 4% over the past two trading sessions since the results. Investors could be concerned about the developments related to the UK operations. In FY24, the Netherlands and UK facilities contributed 38% of revenue, but incurred an Ebitda loss of over ₹7,000 crore. Thus, consolidated FY24 Ebitda stood at ₹22,300 crore, down 31% y-o-y.

The UK operations are undergoing a structural shift in the steel-making process and may take time to return to profitability. However, the Netherlands business is expected to be Ebitda positive in Q1FY25 with the resumption of normal plant operations. Over the medium term, these units can add to the company's profits meaningfully thanks



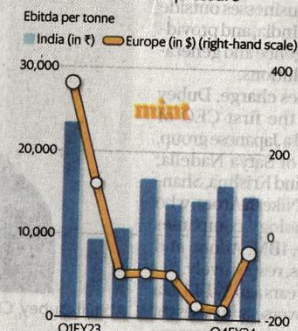
For Q4FY24, consolidated Ebitda at ₹6,600 cr was better than expected. MINT

to evolving dynamics of the European steel market.

The market is changing because of carbon tax imposition on industries like steel and start of Carbon Border Adjustment Mechanism (CBAM). CBAM, legislated in 2023, imposes a carbon tariff on imports from carbon-intensive

Divergent performance

Tata Steel's India operations fared well in FY24, but the European business was under pressure



Note: Ebitda is earnings before interest, tax, depreciation and amortization

Source: Prabhudas Lilladher, Company
PRANAY BHARDWAJ/MINT

industries to EU and will start in 2026. "Tata Steel is paying carbon tax of nearly \$25-30 per tonne of steel produced which is projected to go up to more than \$200 per tonne by 2033. With the switch to green steel, the company can generate savings of more than \$100 per tonne on its 10 mtpa EU steelmaking

capacity," said Satyadeep Jain, Ambit Capital research analyst. Mtpa is million tonnes per annum.

Tata Steel has initiated the exercise to transition from high-emission steel making process through blast furnace (BF) to greener and more fuel-efficient electric arc furnace (EAF) route. The company would be shutting down both BF at the UK facility by September and run the existing downstream facilities by importing semi-finished steel from the Netherlands and India. The EAF facility would require an investment of £1.25 billion (about ₹13,000 crore) and is expected to be ready in three years after equipment orders are placed. The production via BF also entailed higher operating cost and management projects cost

of production to drop by ₹12,500 per tonne after EAF commissioning.

As assistance for green transition, the UK government will provide £500 million or 40% of the project cost. While the grant funding agreement (GFA) has not been signed yet, the management hopes to do so in the next few weeks. It has also

begun discussions with the Netherlands government for a similar replacement of facilities in the country and hopes for a similar grant here, too.

While the European business is transitioning to green steel, Indian operations continue to cash in on the country's rapidly rising steel consumption and is undertaking expansion. The biggest expansion project of 5 mtpa capacity at an investment of ₹27,000 crore is coming up at their facility in Kalinganagar, Odisha, and a small 1.0 mtpa EAF-based plant in Ludhiana. The management plans to build more such plants if the project is successful.

So far, so good. To be sure, the GFA in the UK faces uncertainty from the announced elections. The company may have to go through another gruelling process of negotiations in case the GFA is not signed before the elections and in case of a change of government, especially because the BF closure would lead to significant job redundancies. Signing of the agreement could just be the trigger investors may be waiting for.

ROAD AHEAD

THE Tata Steel Netherlands business is expected to be Ebitda positive in Q1FY25

THE Europe market is changing because of the imposition of carbon tax on industries like steel

01st June 2024

The Pioneer

SAIL's call to quit smoking on World No Tobacco Day

PNS : BOKARO

On this World No Tobacco Day, the Ministry of Steel, Government of India, and Steel Authority of India Limited (SAIL) are urging citizens to take a stand against tobacco use. Tobacco consumption is a leading cause of preventable diseases and deaths worldwide, affecting millions of lives and burdening healthcare systems.

This year, the focus is on encouraging individuals to quit smoking and embrace a healthier lifestyle. SAIL, as a responsible corporate entity, supports this initiative by offering resources and programs designed to help employees and the community in their journey towards a smoke-free life.

SAIL appealed to participate in World No Tobacco Day activities and take the pledge to quit smoking. By doing so, one not only improves his health but also contributes to a healthier, smoke-free community.

WORLD NO TOBACCO DAY

Don't let tobacco corrode your future
Choose life, choose health

MAY 31

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड
STEEL AUTHORITY OF INDIA LIMITED
There's a little bit of SAIL in everybody's life

SAIL Official | SAIL User | SAIL Authority | Steel Authority of India Ltd

हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

There's little bit of SAIL in everybody's life

THANK YOU



Public Relations Department